प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्याम
क्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

कानपुर, मंगलवार, 23 सितम्बर, 2025
वर्षः 02, अंकः 250, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड महापौर की तबियत बिगड़ने से स्थगित हुई सदन की... » Pg06

बिल्हौरः पुलिस ने चौपाल लगाकर... » Pg04

गरमाई सियासत, सपा से नाराजगी पर अटकलें

आजम खान ने ली खुली हवा में सांस, जेल से रिहा

पार्टी में खुशी की लहर, सीतापुर में दोनों बेटे लेने पहुंचे, समर्थकों की भारी भीड़ ने किया स्वागत

» सीतापुर/लखनऊ। स्वराज इंडिया ब्यूरो।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान 23 महीने बाद जेल से रिहा हो गए हैं। सफेद कुर्ता-पायजामा, काली जैकेट और आंखों पर काला चश्मा पहने आजम खान सीतापुर जेल से बाहर आए तो कार में बैठकर बेटों के साथ रामपुर रवाना हो गए। इस दौरान मीडिया ने उसने बात करने की काफी कोशिशें कीं लेकिन आजम खान ने किसी से बात नहीं की। यहां तक कि उन्होंने कार का शीशा तक नीचे नहीं किया।

सपा के कद्दावर नेता आजम खान जेल से बाहर आ गए हैं। रामपुर के पूर्व सांसद एवं विधायक रहे आजम खान को 23 महीने के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार जेल से रिहाई मिल गई। उन्हें आज मंगलवार को सुबह 7 बजे ही बाहर आना था लेकिन कोर्ट में जमानती बॉन्ड नहीं भरे होने की वजह से बाहर आने का समय 12 बजे का तय हुआ। आजम को रिसीव करने के लिए उनके बड़े बेटे अदीब और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम खान के साथ ही मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या वह सपा छोड़कर बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। रिहाई के मौके पर उन्हें रिसीव करने के लिए मंगलवार की सुबह सीतापुर जेल पर सैकड़ों समर्थकों की भीड़ सुबह से जुट गई थी।

सपा सरकार में मंत्री रहे आजम खान गाड़ी में बैठकर जेल से बाहर निकले। आंखों पर काला चश्मा लगाए हुए आजम कार की फ्रंट सीट पर बैठे नजर आए। उनकी रिहाई के मद्देनजर सीतापुर जेल परिसर और उसके बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कई गई है। पुलिस फोर्स की तैनाती के साथ ही ड्रोन से इलाके की निगरानी भी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आजम खान सीतापुर जेल से सीधे रामपुर अपने घर पहुंचेंगे। पुलिस की गाड़ियों के साथ समर्थकों का काफिला और मीडिया की गाड़ियां भी साथ चलती रहीं। इस दौरान पुलिस के कड़े बंदोबस्त रहेंगे। उनकी रिहाई के पहले देर रात तक एलआईयू ने आजम खान के घर और उनके करीबियों पर नजर रखी।

बाहर आते ही बेटों के साथ रामपुर रवाना, किसी से नहीं की बात

कितने दिन की रिहाई?

योगी सरकार में आजम खान को पहली बार 27 महीने और दूसरी बार 23 महीने जेल में रहना पड़ा। यानि वह 2022 में जेल से बाहर आने के बाद करीब सवा साल ही सलाखों से बाहर रह सके थे। आजम खान को अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में 18 अक्टूबर 2023 को दोबारा जेल जाना पड़ा। अब 23 महीने बाद फिर से जमानत पर जेल वह बाहर निकल आए है, लेकिन सवाल यह है कि आजम खान कितने दिनों तक जेल से बाहर खुली हवा में सांस ले सकेंगे?

नेताओं की 73 गाड़ियों का हुआ चालान, करीब डेढ़ लाख रुपये जुर्माना लगाया

आजम खान की रिहाई को लेकर सीतापुर जेल के बाहर कड़ा पहरा था। पुलिस का कहना है कि जेल के आसपास किसी को भी भीड़ जुटाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। सुबह से ही जेल के बाहर हर आने-जाने वाले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। इस बीच नो पार्किंग जोन में होने पर पुलिस ने जेल के बाहर बड़ी संख्या में उनके समर्थक सपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। पुलिस ने उनकी 73 गाड़ियों का चालान कर दिया है। सभी गाड़ियों पर करीब एक लाख 49 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। आजम खां का जेल से बाहर स्वागत करने के लिए उनके दोनों बेटों अब्दुल्ला और अदीब के साथ ही सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे। वहीं, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए फोर्स की तैनाती की गई थी।

सरकार आई तो सारे मुकदमे खत्म करेंगेः अखिलेश

अखिलेश बोले- खुशी का दिन है, आजम खान की रिहाई पर समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने कोर्ट को धन्यवाद दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि यह समाजवादियों के लिए खुशी की खबर है। अखिलेश ने बिना नाम लिए कहा कि एक अधिकारी जिसको एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन मिला। उस अधिकारी ने आजम को परेशान किया। अखिलेश यादव ने कहा कि उम्मीद है कि हमें न्याय की उम्मीद थी। उन्होंने ऐलान किया कि सपा सरकार बनने पर आजम खान के खिलाफ सारे मुकदमे खत्म करेंगे।

मौलाना शहाबुद्दीन ने अलग पार्टी बनाने की दी सलाह

आजम खां की रिहाई पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने खुशी जाहिर की है। मौलाना ने कहा कि आजम खां उस व्यक्ति का नाम है, जिन्होंने समाजवादी पार्टी को खून और पसीने से सींचा। मौलाना ने आजम खां को मशवरा देते हुए कहा कि जेल से रिहाई के बाद पूरे प्रदेश में अपने बिखरे हुए साथियों को एकजुट करें। एक राजनीतिक पार्टी के गठन का ऐलान करें। साल 2027 के विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ अपने प्रत्याशी उतारें।

किसी और पार्टी में नहीं जाएंगे आजम खानः शिवपाल सिंह यादव

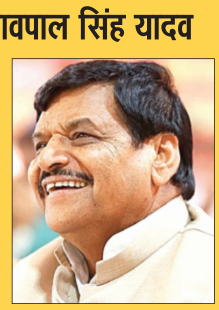

अखिलेश यादव से पहले इटावा में शिवपाल सिंह यादव ने आजम खान की रिहाई को लेकर बयान दिया। शिवपाल सिंह यादव ने बताया कि आजम खान सपा छोड़कर किसी भी अन्य दल में नहीं जाएंगे। शिवपाल सिंह यादव ने आजम खान की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया।शिवपाल सिंह ने बताया कि आजम खान को सैकड़ों झूठे केस में फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी आजम खान की पूरी मदद कर रही है और करेंगी। आजम खान के दूसरे राजनैतिक दलों में शामिल होने के सवालों पर शिवपाल सिंह ने कहा कि यह सब झूठी बातें और अफवाह हैं।

फूलबाग गांधी भवन में बनेगी अत्याधुनिक ई-डिजिटल लाइब्रेरी

8.06 करोड़ की लागत से तैयार होगा शहर का पहला डिजिटल नॉलेज हब

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहरवासियों के लिए खुशखबरी है। गांधी भवन, फूलबाग में सी.एम. वी.एन.वाई. योजना के अंतर्गत 8.06 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक ई/डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है। इसके लिए योजना विभाग के निर्देश पर सिविल और आईटी कार्य की अलग-अलग निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

सिविल कार्य के तहत 50 लोगों की क्षमता वाले वेटिंग हॉल को डिजिटल लाइब्रेरी में बदला जाएगा। इसमें फॉल्स सीलिंग, फ्लोर टाइलिंग, पार्टिशन, पेंटिंग और अन्य सुधार कार्य किए जाएंगे।

आईटी कार्य के अंतर्गत लाइब्रेरी को आधुनिक तकनीकों से लैस किया जाएगा। इसमें 50 यूजर्स के लिए डेस्कटॉप, टेबल-चेयर, 20 टैबलेट्स के साथ लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, डिजिटल नॉलेज पोर्टल, सिंगल सर्च डिजिटल लाइब्रेरी, दिव्यांग (दृष्टिहीन) पाठकों के लिए 10 किबो उपकरण, ई-बुक्स, ई-न्यूजपेपर, ई-मैगजीन और मॉक टेस्ट प्लेटफॉर्म जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

साथ ही 35,000 उपलब्ध किताबों का डिजिटाइजेशन, रेयर बुक्स व ट्रेनिंग मटेरियल की कैटलॉगिंग, ऋस्नद्धष्ठ सिस्टम, बारकोड एक्टिविटी, बहुभाषी अनुवाद सुविधा, हाई-स्पीड वाई-फाई, सर्वर और 10 केवीए यूपीएस भी लगाया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद गांधी भवन, फूलबाग शहर का डिजिटल नॉलेज हब बनेगा, जिससे छात्रों, शोधार्थियों और आम पाठकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी।

सड़क किनारे अधजले शव से हड़कंप, हत्या कर बोरे में फेंका शव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मथुरापुर गांव में सड़क किनारे एक बोरे के अंदर युवक का अधजला शव मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने हत्या कर शव को जलाकर फेंकने की आशंका जताई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव में सड़क किनारे झाड़ियों में एक बोरे के अंदर युवक का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

यह मामला तब सामने आया जब राहगीरों ने सड़क किनारे बोरे के पास कुत्तों के एक झुंड को देखा। संदेह होने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बोरा खोलकर देखा, तो उसमें एक युवक का बुरी तरह जला हुआ शव मिला।ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या के बाद पहचान छिपाने के लिए शव को जलाया गया और फिर बोरे में भरकर फेंका गया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके।

30 अक्टूबर तक सड़कों की मरम्मत न हो तो दर्ज करें मुकदमा: सतीश महाना

» विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने समीक्षा बैठक कर कानपुर की टूटी सड़कों का मुद्दा उठाया

» नई तहसील की कवायद फिर शुरू, निर्माण कार्य स्थल पर लगाया जाए बोर्ड : डीएम

» विकास कार्य की समीक्षा बैठक में अफसरों से जवाब तलब

» राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। पेयजल पाइप लाइन बिछाने को जहां सडकें खोदी गईं है उसकी मरम्मत तीस अक्टूबर तक पूरी न हो तो डीएम साहब आप संबंधित अफसर पर मुकदमा दर्ज कराएं। यह आदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विकास कार्य की समीक्षा बैठक में दिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में नवीन सभागार में नगर विकास को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई। यहां शहर में हो रहे विकास और रूके विकास कार्यों को लेकर अफसरों से जवाब तलब किया गया।

निर्माण कार्य स्थल पर लगाया जाए बोर्ड : डीएम

पेयजल पाइपलाइन बिछाने में सडकों की मरम्मत का मुद्दा बैठक में काफी देर छाया रहा। जल निगम ग्रामीण अधिशासी अभियंता एमके शर्मा ने बताया कि कार्य काफी तेजी से चल रहा है। करीब 40 किलोमीटर सडक का कार्य बचा है, जिसे 30 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। इसपर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समय निर्धारित कर लीजिए। उन्होंने डीएम को आदेश दिया कि यदि 30 अक्टूबर तक मरम्मत का काम पूरा न हो तो संबंधित अफसर पर मुकदमा दर्ज कराया जाए। साथ ही उक्त निर्माण कार्य की जांच आईआईटी से कराएं। वहीं डीएम ने बैठक में प्रस्ताव रखा कि सभी निर्माण कार्य में एक बोर्ड लगया जाए जिसमें निर्माण संबंधित सभी ब्यूरा हो। लागत से लेकर निर्माण कार्य पूण होने की टाइम लाइन हो।

सीएम किसी काम को बोलें और इतनी देर हो यह ठीक नहीं : सतीश महाना

रमईपुर क्षेत्र में 2013 से प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर परियोजना 12 साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर सकी है। 2026 में परियोजना के पूर्ण होने का समय निर्धारित था, लेकिन मेगा लेदर क्लस्टर यूपी लिमिटेड के निदेशक अशरफ रिजवान किसानों से पूरी जमीन ही नहीं खरीद सके, अब इसका जिम्मा यूपीएसआईडीसी को प्रदान किया गया है। इस पर मेगा लेदर क्लस्टर लिमिटेड के निदेशक अशरफ रिजवान ने बैठक में बोला कि अब वह जमीन उपलब्ध करा देंगे। इसपर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना कहा कि इतने सालों से भी बात हो रही। इसपर रिजवान बोले कि उन्होंने गलत जमीन खरीद ली थी तो , सतीश महाना बोले, कि गलती किसकी थी। सीएम किसी काम को बोलें और इतनी देर हो यह ठीक नहीं। उन्होंने इस संबंध में डीएम को दिशा निर्देश दिए है।

'कुछ क्षेत्रों के सर्किल रेट क्यों नहीं बढे'

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना के विकास गति पर सतीश महाना ने जानकारी हासिल की।

इसपर अफसर ने बताया कि द्वितीय फेज में तहसील नर्वल के ग्राम महाराजपुर, हाथीपुर और फुफवार सुईथोक की जमीन को चिह्नित कर भूमि का प्रस्ताव का लेटर यूपीडा को भेजा गया है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह से पूछा कि जमीनों के सर्किल रेट बढाने की जल्दी तो सभी क्षेत्र के रेट रिवाइस होते। उनके पास कुछ शिकायतें आई है,

बैठक में सभी अफसर हंसने लगे

जिला पंचायत विभाग के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच के आदेश विधानसभा अध्यक्ष ने पिछली बैठक में दिए थे। इसपर बैठक में जब जिला पंचायत के आलाधिकारी के संबंध में पूछा गया तो विभाग के एक अफसर ने बताया कि वह मेडिकल लीव पर हैं। शनिवार को गए हैं और सोमवार शाम तक आ जाएंगे। इसपर बैठक में सभी अफसर हंसने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने डीएम को गुणवत्ता की रिपोर्ट को क्रासचैक करने और निर्माण कार्य की जांच आईआईटी से कराने का आदेश दिए हैं।बैठक में महापौर प्रमिला पाण्डेय, विधायिका नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, राहुल बच्चा, एमएलसी अरुण पाठक, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, नगर आयुक्त, केस्को एमडी, व केडीए के वीसी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केडीए की बड़ी कार्रवाई, 10 बीघे में अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त

विकास प्राधिकरण के वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल का स्पष्ट संदेश - अवैध प्लॉटिंग किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विकास प्राधिकरण प्रवर्तन जोन–2 की टीम ने रविवार को अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की।

जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल की अगुवाई में आराजी सं. 619, पुरवा नानकारी (एल्डिको के सामने) पर लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में की गई अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया।

इसी तरह, दीपू यादव व अन्य व्यक्तियों द्वारा बी.ए.पी.एल. और वी.ए.सी.एल. के नाम पर आराजी संख्या 782, 783, 784 समेत अन्य भूखण्डों पर करीब 8 से 10 बीघा भूमि में की गई अवैध प्लॉटिंग को भी जमींदोज किया गया।

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान प्रभारी अधिकारी एवं अवर अभियंता रमाकान्त के साथ पूरा प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में चल रही अन्य अवैध प्लॉटिंग को भी चिन्हित किया जा रहा है, जिन्हें नियमों के तहत जल्द ही ध्वस्त कराया जाएगा।प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि वह अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें, क्योंकि ऐसे निर्माण किसी भी समय ध्वस्त किए जा सकते हैं। खरीदारों को न सिर्फ आर्थिक नुकसान होगा, बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी।

अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त करती जेसीबी

मिशन शक्ति फेज-5: नारी सुरक्षा व स्वावलंबन पर विशेष जोर

बिल्हौर पुलिस ने चौपाल लगाकर महिलाओं को किया जागरूक

एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं-बालिकाओं को बताए आत्मरक्षा के टिप्स

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत सोमवार को सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर अमरनाथ यादव, कोतवाल अशोक कुमार सरोज और एंटी रोमियो टीम ने मोहल्ला बाल्मीक नगर वार्ड नंबर-04 में चौपाल लगाई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और बालिकाएं मौजूद रहीं। पुलिस टीम ने उन्हें नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

एसीपी अमरनाथ यादव ने कहा कि हर महिला को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल पुलिस या हेल्पलाइन नंबर से संपर्क करना चाहिए। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के टिप्स दिए और एंटी रोमियो टीम ने महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और बालिकाएं मौजूद रहीं। पुलिस अधिकारियों ने मिशन शक्ति अभियान के महत्व को समझाते हुए बताया कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस अवसर पर अधिकारियों ने हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 1098, 112 और 181 की जानकारी साझा करते हुए कहा कि किसी भी

» एसीपी ने बताए हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के फायदे।

आपात स्थिति में इन नंबरों पर तुरंत सहायता मिल सकती है। साथ ही यह भी बताया कि अब महिलाएं व्हाट्सऐप, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए भी सीधे पुलिस तक अपनी बात पहुँचा सकती हैं।

महिलाओं को राज्य सरकार की स्वरोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त ने आश्वासन दिया कि महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और एंटी रोमियो टीम लगातार सक्रिय रहकर उन्हें सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत है। महिलाओं ने इस पहल की सराहना की और कहा कि पुलिस द्वारा दी गई जानकारी से उनका आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ी है।

पुलिस टीम ने महिलाओं से अपील की कि वे खुद जागरूक रहें और आसपास की अन्य महिलाओं व बालिकाओं को भी जागरूक करें। चौपाल में उपस्थित महिलाओं ने मिशन शक्ति अभियान के लिए आभार जताया और पुलिस की इस पहल की सराहना की।

अरौल पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

ज्ञान भारती कन्या विद्यालय इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत अरौल पुलिस टीम ने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और उन्हें सुरक्षा व आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस दौरान वरिष्ठ उपनिरीक्षक कमल सिंह, महिला दरोगा प्रीतांजलि और एंटी रोमियो टीम मौजूद रही।

देवरानी-जेठानी की मारपीट का तमाशा देखा गांव ने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। बारामऊ गांव में मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। देवरानी-जेठानी के बीच शुरू हुई कहासुनी जल्दी ही मारपीट में बदल गई। इस झड़प में पति-पत्नी भी घायल हो गए।

स्थानीय निवासी रीता ने बताया कि वह घर की छत पर पानी की पाइप लाइन की ईंट हटा रही थी, तभी जेठानी संगीता उनके साथ बहस करने लगी। इसी बीच जेठ सतनाम भी मौके पर आ गए और गाली-गलौज करने लगे।

जब पति सत्यवीर ने दोनों को शांत करने की कोशिश की, तो जेठ-जेठानी ने उन पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक घायल

चौबेपुर /बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के मरियानी गांव के पास सोमवार बीती रात एक युवक सड़क हादसे में घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक बिरहाना रोड निवासी राजेश कुमार मोटर साइकिल से बिल्हौर की ओर जा रहे थे।

नेशनल हाईवे पर गांव के सामने मोड़ पर उनकी बाइक डिवाइडर में लगे लोहे के एंगल से टकरा गई। हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मदद के लिए पहुंचे और घायल को सुरक्षित स्थान पर ले गए। इसके बाद सूचना नेशनल हाईवे की 1033 इमरजेंसी सेवा को दी गई। टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राजेश को चौबेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया। इधर, पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। थाना प्रभारी ने बताया कि घायल के परिवार को सूचना दे दी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नशे की दीवानगी में गिरा सब्जी व्यापारी, हुई मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। कस्बे में शराब के नशे ने एक छोटे सब्जी व्यापारी की जिंदगी ले ली। महाराणा प्रताप नगर निवासी 45 वर्षीय रामकुमार, जो छोटे बाजार में सब्जी का काम करते थे, सोमवार देर शाम रेलवे स्टेशन के सामने देसी मधुशाला से नशे की हालत में निकला था।थोड़ी ही देर में नशे की दीवानगी ने उन्हें पास में बनी नांद की ओर खींच लिया। वहीं गिरते ही उनकी सांसें थम गईं। स्थानीय लोग और दुकानदार तुरंत मदद को दौड़े, लेकिन तब तक रामकुमार की मौत हो चुकी थी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों तक खबर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।कस्बे के लोग इस हादसे को शराब की खतरनाक दीवानगी की चेतावनी मान रहे हैं।

पिटाई से आहत युवक ने पीया कीटनाशक, हालत गंभीर

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल क्षेत्र के बकोठी गांव में लेनदेन को लेकर हुई विवादित मारपीट ने एक युवक की जिंदगी खतरे में डाल दी। घटना में आहत युवक ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया, जिससे उसकी तबीयत गंभीर हो गई और उसे तुरंत सीएससी बिल्हौर से हैलट रेफर किया गया।

गांव निवासी रामप्रकाश ने गांव के ही एक युवक को 1,500 रुपये उधार दिए थे। सोमवार को जब रामप्रकाश ने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने देने में विलंब की बात कहकर उसके साथ मारपीट कर दी। मारपीट से मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रामप्रकाश घर लौट आया और खेतों में डालने के लिए रखा कीटनाशक पी लिया। युवक की हालत गंभीर होने पर पहले उसे सीएचसी बिल्हौर में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने तुरंत हैलट रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर मिल चुकी है और मामले की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

नागरिकों पर पाक वायुसेना का हमला

पाक सत्ता के कुशासन व भेदभाव से त्रस्त उसके कई राज्यों के नागरिक दमन के खिलाफ मुखर विरोध जताते रहे हैं। जिसमें पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत, खैबर पख्तूनख्वा के लोग भी शामिल हैं। गरीबी-महंगाई और हाल के हफ्तों में भारी बाढ़ की तबाही झेल रहे खैबर के असहाय लोग अब एक क्रूर सैन्य अभियान का भी दंश झेल रहे हैं। कहने को तो पाक सेना के इशारे पर मुहिम चला रही सरकार का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों का सफाया करने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि तिराह घाटी में पाकिस्तानी वायु सेना के विमानों द्वारा किए गए बम विस्फोटों में महिलाओं-बच्चों समेत करीब तीस नागरिकों की जान चली गई है। इस घटना के बाद पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगानिस्तान सीमा के पास हुए हवाई हमलों की जांच की मांग की है। हमेशा की तरह की झूठी कहानी गढ़ने में मशहूर पाकिस्तानी पुलिस की दलील है कि इन मौतों के लिये उस परिसर में हुए विस्फोट जिम्मेदार हैं, जहां टीटीपी ने विस्फोटक सामग्री जमा कर रखी थी। दरअसल, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वारा पाकिस्तान के आतंकवाद फैलाने के मंसूबों को बेनकाब किया है। जिसके जवाब में पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर यह दिखावा करने पर तुले हुए हैं कि उनका देश आंतकवाद का पोषक नहीं बल्कि इससे पीड़ित देश है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान में यह चाल खूब चली है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भारतीय धरती पर हुए इस भयावह नरसंहार के लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराने से कतरा रहा है, भले ही इसके स्पष्ट संकेत हों। दरअसल, कथित रूप से आतंकवाद से निपटने के बहाने, पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई सरकार को कमजोर करने की भरसक कोशिश कर रहा है। वास्तव में पाक हुकमरान अतीत में भी सेना के इशारे पर विपक्षी राजनीतिक दलों के दमन के लिये अभियान चलाते रहे हैं।उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई अपने संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो साल से जेल में बंद होने के विरोध में पहले ही संघर्ष जारी रखे हुए है। पूरे देश में पीटीआई कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की सत्ता में काबिज वर्ग विशेष के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर मुखर करने वाले प्रांतों में लोगों के सफाये के लिये सुनियोजित अभियान चलाये जाते रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में लंबे समय से मानवाधिकारों के हनन और लोगों के जबरन विस्थापन के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभरते रहे हैं। अब इस हवाई हमले ने पाकिस्तान सरकार के नापाक मंसूबों को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो अपने सोते हुए नागरिकों पर बम बरसाकर खतरनाक इरादों को अंजाम दे रही है। विडंबना यह है कि जो पाकिस्तान भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक रहा है, अब यह चाहता है कि तालिबान सरकार सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिये न हो। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के दुस्साहस के चलते ही अफगानिस्तान के साथ उसके देश के संबंधों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के इस टकराव के रवैये के कारण पाकिस्तान व अफगानिस्तान के रिश्ते सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं। निस्संदेह, इससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता खतरे में पड़ गई है। सही मायनों में खैबर पख्तूनख्वाह में मची तबाही पर भारत को पाक पर आंख बंद करके विश्वास करने वाले चीन, अमेरिका और तुर्की जैसे देशों को इस हकीकत से अवगत कराना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा अपने ही नागरिकों पर किए जा रहे अत्याचारों पर आंख मूंद लेने के लिए भारत को इन देशों को आड़े हाथ लेना चाहिए। समय-समय पर भारत व पाकिस्तान को लेकर दोहरे

पंजाब को बाढ़ से बचाने को बने कारगर रणनीति

पंकज चतुर्वेदी

पंजाब में आई हालिया बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। असामान्य बारिश इसकी वजह बनी, लेकिन बांधों का तर्कसंगत और समयबद्ध प्रबंधन बाढ़ की विभाषिका को कम कर सकता है। भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति रोकने हेतु बांधों का प्रबंधन, जल संग्रहण क्षमता का विस्तार, नदियों के जल प्रवाह को संतुलित एवं सुरक्षित रूप से नियंत्रित करना जरूरी है।पंजाब ने 1988 के बाद पांचवीं बार विनाशकारी बाढ़ का सामना किया है। इससे पहले, राज्य में 1993, 2008, 2019 और 2023 में विनाशकारी बाढ़ आई थी। संयोगवश, इन बाढ़ों के लिए केवल सतलुज और व्यास नदियां ही ज़िम्मेदार रही हैं। रावी नदी केवल इस साल ही रौद्र रही। बाढ़ का पैटर्न कमोबेश हर बार जाना-पहचाना होता है। इस साल, अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले दो सप्ताहों में सतलुज और व्यास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश हुई, जबकि दोनों नदियों पर बने बांधों के जलाशय पहले ही अधिकतम भंडारण स्तर तक भर चुके थे।

परिणामस्वरूप, जलाशयों को सुरक्षित और इष्टतम स्तर पर बनाए रखने के लिए स्पिल-वे से प्रचुर मात्रा में पानी छोड़ना पड़ा, जो पूरे वेग से निकला। इस निकासी के साथ-साथ, दोनों बांधों के निचले उप-पहाड़ी इलाकों से उत्पन्न भारी वर्षा जल प्रवाह ने भी दोनों नदियों को उफान पर ला दिया, जिससे राह में पड़ने वाले कमज़ोर तटबंध टूट गए और बड़ी संख्या में गांवों के खेत जलमग्न हो गए।

इस बार, तीनों नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की तुलना में उप-पहाड़ी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के कारण विनाशकारी बाढ़ आई और बांधों के निचले इलाकों में लाखों क्यूसेक पानी पैदा होकर प्रवाहित हुआ। उदाहरणार्थ, 7 सितंबर तक, बीबीएमबी ने केवल सीमित मात्रा में पानी छोड़ा, जो बिजली संयंत्रों को उनकी निर्धारित क्षमता पर चलाने के लिए आवश्यक था। सतलुज और ब्यास नदियों में पानी की आमद लगभग पूरी तरह से बांधों से निचले इलाके की सहायक नदियों एवं अन्य धाराओं द्वारा लाए गए प्रचुर जल-प्रवाह के कारण थी। उदाहरण के लिए, स्वां और सिरसा नामक दो बड़ी सहायक नदियों सहित अन्य 16 धाराएं हैं, जो नंगल बांध और रोपड़ हेडवर्क्स के बीच के इलाके में सतलुज में आन मिलती हैं। इन 16 धाराओं का संयुक्त प्रवाह 3.0 लाख क्यूसेक से अधिक रहा।रावी नदी के मामले में प्रवाह का पैटर्न थोड़ा अलग हो सकता है। यहां, बीबीएमबी के विपरीत, पंजाब के सिंचाई विभाग ने रणजीत सागर जलाशय के आंतरिक प्रवाह और बाह्य प्रवाह के आंकड़े मीडिया को नहीं बताए हैं। ऐसी संभावना है कि स्पिल-वे से 600 मेगावाट बिजली संयंत्र चलाने के लिए आवश्यक मात्रा से अधिक पानी छोड़ा गया हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि रणजीत सागर जलाशय की वर्तमान भंडारण क्षमता केवल 2.33 बिलियन क्यूबिक मीटर है, जोकि पौंग बांध जलाशय के 30 प्रतिशत और भाखड़ा जलाशय के 38 प्रतिशत जितनी है। इसके अलावा, रणजीत सागर, पौंग बांध और भाखड़ा बांध जलाशयों का क्षेत्रफल क्रमशः 52, 241 और 168 वर्ग किलोमीटर है। यह तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जलाशय के छोटे आकार के कारण रणजीत सागर बांध विराट मात्रा में आए पानी को संभालने में असमर्थ है और स्पष्टतः अधिकतम प्रवाह को नियंत्रित नहीं कर सकता। रावी नदी से लगभग 4.0 लाख क्यूसेक अभूतपूर्व प्रवाह का यह एक और कारण हो सकता है।फिर, डलहौजी के पास रावी नदी के ऊपर की ओर, 121 मीटर ऊंचा चिमेरा बांध है और इसका कुल संग्रहण क्षेत्र लगभग 0.45 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) है। इसी प्रकार, भाखड़ा बांध के ऊपर की ओर 167 मीटर ऊंचा कोल बांध का संग्रहण क्षेत्र 0.6 अरब घन मीटर में है। दुर्भाग्य से, इन दोनों बांधों को नदी-प्रवाह (रन ऑफ द रिवर) परियोजनाओं के रूप में डिज़ाइन किया गया है। अधिकतम संभव विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए, इनके जलाशयों को वर्ष भर ऊपर तक भरा रखा जाता है। यदि इन दोनों बांधों को भी संग्रहण बांधों के रूप में डिज़ाइन किया गया होता, तो इनके जलाशय आपातकालीन अवधियों के दौरान बड़े आने वाले जल प्रवाह को अपने अंदर समाहित रणजीत सागर तथा भाखड़ा बांधों के स्पिल-वे पर चरम प्रवाह के बोझ को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते थे।पंजाब के आठ जिलों के 2000 गांवों में बाढ़ के भयावह स्तर और इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था की व्यापक क्षति को देखते हुए, पंजाब और केंद्र सरकार, दोनों को तत्काल निवारक उपाय करने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में इस प्रकार की भयावह बाढ़ की स्थिति फिर कभी न बने। ये उपाय अल्पकालिक और दीर्घकालिक, दोनों होने चाहिए, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है।अल्पकालिक उपाय के रूप में भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्षा के पूर्वानुमान सही निकलते पाए जाने पर, बीबीएमबी को 20 अगस्त के आसपास दोनों बांधों में जलाशय स्तर को पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) से कम-से-कम एक मीटर नीचे रखना चाहिए ताकि अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में अधिक जल प्रवाह को समायोजित किया जा सके। रणजीत सागर बांध के इंजीनियरिंग विंग भी ऐसी नीति अपनाए। दूसरा, सभी पुलों के नीचे के जलमार्गों से जमा हुई तमाम गाद को पूरी तरह से साफ़ किया जाए। इसी प्रकार, वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले सभी वेयर्स और बैराजों के गेटों की कार्यक्षमता की जांच हो।

साहित्य की कलम से पुस्तकें जो बन जाती हैं दर्द में दवा

अस्पतालों में पुस्तकालय

सुधाकर मिश्रा

दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है।तमिलनाडु के तिरुचि के महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में एक उपेक्षित कोने में शुरू हुआ पुस्तकालय मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों के लिए सुकून, ज्ञान और समय बिताने का माध्यम बन गया है। यहां कुछ पुस्तकें, पत्रिकाएं और अंग्रेज़ी-तमिल अख़बार उपलब्ध हैं। कोविड काल में यह सिद्ध हो चुका है कि मनोरंजक किताबें मरीजों के उपचार में बेहद सहायक होती हैं।

कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को एकांतवास में रखा जाता था। लेकिन आए दिन एकांतवास केंद्रों से मरीजों के झगड़े या तनाव की खबरें आ रही थीं। तब जिला प्रशासन ने नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 200 बच्चों की पुस्तकें वहां वितरित कर दीं। रंग-बिरंगी पुस्तकों ने मरीजों के दिल में जगह बना ली और वे खुश नजर आने लगे। उनका समय पंख लगाकर उड़ गया। डॉक्टरों ने भी माना कि पुस्तकों ने क्वारंटीन किए गए लोगों का तनाव कम किया, उन्हें गहरी नींद आई और सकारात्मकता का संचार हुआ। इससे उनकी स्वास्थ्य लाभ की गति भी बढ़ी।दिल्ली में भी छतरपुर स्थित राधास्वामी सत्संग में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े क्वारंटीन सेंटर में हजारों पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई। यहां नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक हजार किताबों के साथ उनकी पत्रिका 'पाठक मंच' बुलेटिन और 'पुस्तक संस्कृति' के सौ-सौ अंक भी रखे। वहां भर्ती मरीज जल्दी स्वस्थ और प्रसन्न दिखे।देश के अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों

की उपस्थिति भीड़ और अव्यवस्था का बड़ा कारण है, क्योंकि वे अक्सर बिना काम के प्रतीक्षा क्षेत्र में समय बिताते हैं और मानसिक थकान का शिकार हो जाते हैं, जिससे अस्पताल प्रणाली पर भी दबाव बढ़ता है। तिरुची के अस्पताल के पुस्तकालय ने ऐसे तीमारदारों को सकारात्मक और व्यस्त रखने का समाधान खोजा है। दुनिया के विकसित देशों के अस्पतालों में पुस्तकालय की व्यवस्था का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। अमेरिका में 1917 में सेना के अस्पतालों में लगभग 170 पुस्तकालय स्थापित किए गए थे। ब्रिटेन में सन?्‌ 1919 में वार लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। इसके बाद आज अधिकांश यूरोपीय देशों के अस्पतालों में मरीजों को व्यस्त रखने और ठीक होने का भरोसा देने के लिए ऐसी पुस्तकों की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक अस्पतालों में तो आम लोग भी पुस्तकें पढ़ने के लिए ले सकते हैं। इंग्लैंड के मैनचेस्टर के क्रिस्टी कैंसर अस्पताल का पुस्तकालय तो पुस्तकों का वर्गीकरण रंगों के अनुसार करता है। जापान के अस्पतालों में बच्चों की किताबें बहुतायत में मिलती हैं और उन्हें अक्सर वयस्क ही पढ़ते हैं।भारत में तकरीबन अड़तीस हजार अस्पताल हैं, जिनमें कोई आठ लाख से अधिक मरीज हर दिन भर्ती होते हैं। इनके साथ तिमारदार भी होते हैं। अनुमान है कि कोई बीस लाख लोग चौबीसों घंटे अस्पताल परिसर में होते हैं। इनमें बीस फीसदी ही बेहद गंभीर होते हैं, शेष लोग बुद्धि से चैतन्य और ऐसी अवस्था में होते हैं जहां उन्हें बिस्तर पर लेटने या बाहर अपने मरीज का इंतजार करना एक उकताहट भरा काम होता है।आमतौर पर बड़े अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए टीवी, अक्सर तनाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाते हैं, जबकि मोबाइल फोन अफवाहों और झूठी सूचनाओं का जरिया बन चुके हैं। इससे मरीजों का मानसिक संतुलन और तीमारदारों की शांति दोनों प्रभावित होती है। सर्वविदित है कि पुस्तकें एकांत में सबसे अच्छा साथ निभाती हैं। ये काले छपे हुए शब्द, दर्द और उदासी के दौर में दवा का काम करते हैं। हर किसी की जिंदगी में कुछ अच्छी किताबों का होना जरूरी है। किताबें सिर्फ मनोरंजन या इम्तिहान उत्तीर्ण करने के लिए नहीं होतीं, जिंदगी के रास्ते बनाने के लिए होती हैं। किताबों में हर मुश्किल सवाल, परिस्थिति का हल भले ही न छुपा हो लेकिन दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है।

महापौर का स्वास्थ्य बिगड़ने से स्थगित हुई सदन की बैठक

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर की बजट बैठक सोमवार को शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं पर केंद्रित रही। पार्षदों ने गृहकर वृद्धि को लेकर अपने सुझाव और आपत्तियां सामने रखीं। सभी दलों के पार्षदों ने साफ कहा कि जनता पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, इस दिशा में बजट को अधिक जनहितैषी बनाया जाए।

बैठक में सफाई व्यवस्था, सड़क, जलनिकासी, पार्कों के रखरखाव और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी गंभीर मंथन हुआ। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने भरोसा दिलाया कि आगामी बजट में जनता की सुविधाओं को सर्वोपरि रखा जाएगा।

इसी दौरान महापौर प्रमिला पांडे की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके चलते सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

हालांकि बैठक में हुई चर्चाओं से संकेत मिला है कि आने वाला बजट शहरवासियों को राहत देने वाला और विकासोन्मुख होगा।

बैठक में पार्षद महेंद्र पांडेय पप्पू, नवीन पंडित, धीरू त्रिपाठी, राज किशोर यादव, कौशल मिश्रा, कुंती राम विलास निषाद, सौहेल अहमद, वीरेंद्र सिंह लाला, संतोष साहू, शिबू अंसारी, लियाकत अली, अभिषेक गुप्ता मोनू, सौरभ देव माता जी, पवन गुप्ता, लक्ष्मी कोरी सहित अन्य पार्षद व अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर में सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति ने देखी योगी आदित्यनाथ के जीवन पर बनी फ़िल्म अजेय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक फ़िल्म अजेय का रविवार को सामूहिक अवलोकन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम कानपुर सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति की जिला इकाई की ओर से रेव मोती सिनेमाघर में आयोजित हुआ।

इस मौके पर समिति के प्रदेश संरक्षक दीप अवस्थी, प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री गोपाल दीक्षित, जिलाध्यक्ष उमेश तिवारी, जिला महामंत्री धीरज चड्ढा सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

निर्भय रेजा, रवि शंकर तिवारी, उदय तिवारी, आलोक मिश्रा, विपिन सिंह, रजत मिश्रा, आकाश सिंह, आदित्य मिश्र, ऋषभ मिश्रा और लक्ष्य दीक्षित (बिल्लू दीक्षित) भी कार्यक्रम में शामिल हुए इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी ने कहा–योगी आदित्यनाथ का जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण है।

उनकी जीवनगाथा हर व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। फ़िल्म 'अजेय' न केवल उनके संघर्षों को सामने लाती है, बल्कि समाज में नैतिकता, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की भावना को भी प्रबल करती है। सभी नागरिकों को यह फ़िल्म अवश्य देखनी चाहिए और योगी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र व समाजहित में योगदान देना चाहिए।

समिति पदाधिकारियों ने भी फ़िल्म को युवाओं और आमजन के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि इससे समाज में नैतिकता और राष्ट्रप्रेम की भावना और अधिक मजबूत होगी।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने फ़िल्म अजेय के संदेश की सराहना की और इसे समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

कन्नौज

दिनदहाडे बदमाशों ने क्रूरता कर दिया घटना को अंजाम

सिर पर हथौड़ा मार महिला को मौत के घाट उतारा, बेटी को भी मारना चाहा था

» पड़ोसियों से भी पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज देखे

» बलरामपुर जिले का रहने वाला है शातिर जसवंत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कन्नौज। डकैतों ने दिनदहाड़े महिला और बेटी को बंधक बनाकर लाखों की नकदी व जेवर लूट लिए। विरोध करने पर डकैतों ने महिला की हत्या कर दी, जबकि बेटी की हत्या का प्रयास किया, तो उसने पड़ोसी की छत पर कूद कर जान बचाई।

कन्नौज जिले में टाइल्स लगाने वाले ठेकेदार जसवंत और उसके भतीजे ने सुनीता के हाथ-पैर बांधकर सिर में हथौड़ी मारकर हत्या कर दी। आरोपी कोमल को भी मारना चाहते थे, मगर वह बहादुरी दिखाते हुए शीशा तोड़कर पड़ोस की छत पर कूद गई, जिससे उसकी जान बच गई। दोनों पिछले तीन माह से उनके नए मकान में टायल-पत्थर लगाने का काम कर रहे थे। सोमवार को सुनीता ने पुराने मकान में फर्श की मरम्मत के लिए बुलाया था, तभी दोनों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

जिला अस्पताल में बड़ी बेटी कोमल ने बताया कि दोपहर के समय जसवंत और उसका भतीजा घर पर आए और आंगन के पास टूटी फर्श को सही किया और टूटे टायल भी लगाए। मम्मी सुनीता नीचे काम करा रहीं थीं और वह दूसरी मंजिल पर बने कमरे में टीवी देख रही थी। जसवंत और उसके भतीजे ने मम्मी के हाथ पैर बांध दिए और सिर में हथौड़ी मारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद ऊपर कमरे में उसके पास गए और उसे भी बांध दिया। दोनों ने अलमारी खोलकर उसमें रखी नकदी व जेवरात निकाल लिए और उसे मारने के लिए चाकू निकाला, तभी उसने छलांग लगाकर शीशे का गेट तोड़ दिया और पड़ोसन सीमा आंटी की छत पर कूद गई। सीमा की बेटी मेघा ने बताया कि जब कोमल उनकी छत पर शोर मचा रही थी, तब उसके गले में रस्सी कसी हुई थी। छोटी बहन दीया बैंक में थी, इस वजह से उसकी जान बच गई। एसपी विनोद कुमार ने मोहल्ले में पहुंचकर पड़ोसियों से भी पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज देखे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्य आरोपी जसवंत मूलरूप से बलरामपुर जिले का रहने वाला है और मकानों में टायल-पत्थर लगाने का काम करता है। जिले में वह तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के फगुहा गांव में विनोद दुबे के मकान में किराये पर रहता है। उसका भतीजा भी साथ में रहता है, जो जसवंत को पापा कहकर बुलाता है। इससे लोग उसे बाप-बेटा ही समझते हैं। फगुहा में उसके परिवार के लोगों का भी आना-जाना लगा रहता है।

ये था पूरा मामला

डकैतों ने दिनदहाड़े महिला और बेटी को बंधक बनाकर लाखों की नकदी व जेवर लूट लिए। विरोध करने पर डकैतों ने महिला की हत्या कर दी, जबकि बेटी की हत्या का प्रयास किया, तो उसने पड़ोसी की छत पर कूद कर जान बचाई। बताया गया कि मकान में टाइल्स लगाने वाले ठेकेदार ने अपने भतीजे और नौ अन्य बदमाशों के साथ वारदात को अंजाम दिया है। एसपी ने डकैतों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया है।

शादी के बाद मायके में ही रह रही कोमल

मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कोमल की शादी हो चुकी है, लेकिन ससुराल वालों से विवाद के चलते वह मायके में ही रह रही है। कई लोगों का कहना है कि वह मानसिक रूप से भी बीमार रहती है, इसी वजह से ससुराल वाले उसे नहीं बुला रहे हैं। वह अपनी मां सुनीता के साथ ही रहती है। छोटी बेटी दीया श्रीवास्तव की अभी शादी नहीं हुई है। वह उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ठठिया शाखा में कैशियर के पद पर कार्यरत है।

छोटा मकान होने की वजह से बनवाया दूसरा मकान

पति की मौत के बाद सुनीता को बीमा क्लेम के रुपये मिले, तो उन्होंने मोहल्ले में ही दूसरा प्लॉट खरीद लिया और उस पर बड़ा मकान बनवाया। जिस मकान में वह रह रहीं हैं, वह दस फीट चौड़ा और 28 फीट लंबा है। इस वजह से कोई रिश्तेदार आ जाता था, तो दिक्कत होती थी। तीन माह पहले मकान तैयार होने पर सुनीता ने जसवंत को वर्ग फीट के हिसाब से टायल-पत्थर लगाने का ठेका दिया था।

25 सितम्बर को विशेष सफाई अभियान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

एक दिन, एक घंटा, एक साथ थीम पर होगा श्रमदान

कानपुर।'स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के अंतर्गत आगामी 25 सितम्बर को जिलेभर में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। एक दिन, एक घंटा, एक साथ थीम पर होने वाले इस कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक मिलकर श्रमदान करेंगे।

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार ने निर्देश दिए कि नवरात्र, दुर्गा पूजा और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था हर हाल में बेहतर दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय गड्ढा-मुक्त सड़कों का कार्य शीघ्र पूरा करें और पैचवर्क की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।एडीएम (नगर) ने घाटों, बाजारों, धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक शौचालयों और विरासत स्थलों पर सफाई, पानी-बिजली की व्यवस्था तथा केयरटेकर की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नालों की सफाई की गति बढ़ाने और डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को नियमित बनाए रखने पर जोर दिया।बैठक में यह भी तय हुआ कि प्लास्टिक के प्रयोग पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और कपड़े व जूट के थैलों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अभियान में एनजीओ, आरडब्ल्यूए, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों को जोड़ा जाएगा। नोडल अधिकारी इनके साथ समन्वय करेंगे और लापरवाही पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। अभियान की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से शासन को भेजी जाएगी।

बैठक में नगर निगम अधिकारी, सभी जोनल अधिकारी तथा घाटमपुर, बिल्हौर, शिवराजपुर और बिठूर के अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर देहातः एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय का मानवीय चेहरा, शिकायत सुनने से पहले खिलाई मिठाई

» पुलिस अधीक्षक का मानवीय व्यवहार देखकर शिकायतकर्ता प्रभावित

» कानपुर देहात जिले की एसपी हैं श्रद्धा नरेंद्र पांडे

» राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अक्सर पुलिस का नाम आते ही लोगों के मन में रौबदार और सख्त छवि सामने आती है, लेकिन जिले की नई एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने अपने व्यवहार से इस छवि को बदलने का काम किया है। सोमवार को जनसुनवाई के दौरान उनका मानवीय और अपनापन भरा चेहरा लोगों ने देखा।

दरअसल, शिकायत लेकर पहुंची एक दिव्यांग महिला को जब एसपी ने जमीन पर बैठा देखा

तो वह तुरंत अपनी कुर्सी छोड़कर बाहर पहुंचीं और उसके साथ जमीन पर बैठ गईं।

उन्होंने महिला से कहा – बहन, पहले मिठाई खाओ, फिर बताना शिकायत। इतना सुनते ही दिव्यांग महिला की आंखों से आंसू बह निकले।

एसपी ने न सिर्फ महिला बल्कि उसके साथ आई बुजुर्ग सास और छोटी बच्ची को भी अपने हाथों से मिठाई खिलाई और खूब प्यार दिया।

बच्ची भी एसपी के इस व्यवहार से बेहद खुश दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने धैर्यपूर्वक महिला की पूरी समस्या सुनी और मूसानगर थाने की पुलिस को तुरंत कार्रवाई कर शिकायत का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने दिव्यांग महिला को हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया।

एसपी की इस नेकदिल पहल की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। लोग कह रहे हैं कि ऐसे ही पुलिस के व्यवहार से जनता का भरोसा और गहरा होता है।

मानवीय संवेदना और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की इस शैली ने एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की छवि को जनपद में और भी लोकप्रिय बना दिया है।

छह महीने में धसक गई सड़क, हादसों का खतरा बढ़ा

» भारी वाहनों की आवाजाही में मुश्किलें, रात में गिरकर घायल हो रहे राहगीर

» लाखों की लागत से बनी सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल सकी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।मलासा ब्लॉक क्षेत्र में बल्हाराऊ-देवीपुर-मलासा-चांदपुर मार्ग पर बनी सड़क छह महीने भी ठीक से नहीं चल पाई और अब जगह-जगह धंसने लगी है। मलासा गांव के निकट सेंगुर नदी पुल के पास सड़क धंस जाने से बड़ा गड्ढा बन गया है। इससे हादसे का खतरा बढ़ गया है और भारी वाहनों की आवाजाही तक बाधित हो रही है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय युवाओं ने बताया कि यह मार्ग कानपुर–झांसी हाईवे के देवीपुर चौराहे से मूसानगर की मुगल रोड को जोड़ता है। इस मार्ग से रोज भारी वाहन गुजरते हैं। पानी के बहाव और घटिया निर्माण सामग्री के चलते फरवरी में शुरू हुआ मरम्मत कार्य जुलाई में पूरा हुआ, लेकिन सड़क पहली बरसात भी नहीं झेल पाई। अब फिर से धंसकर बड़े गड्ढे बन गए हैं ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढों के कारण कई बार लोग रात में गिरकर घायल हो चुके हैं। हादसे की आशंका इतनी अधिक है कि फिलहाल गड्ढों के किनारे केवल कटान और पेड़ डालकर लोगों को सावधान किया जा रहा है। जिम्मेदार विभागीय अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे और न ही कोई स्थायी समाधान निकाला गया।लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

रात के अंधेरे में धड़ल्ले से मिट्टी खनन

» विभागीय मिलीभगत से माफियाओं के हौसले बुलंद

» सूचना के बाद भी प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।प्रदेश सरकार भले ही अवैध मिट्टी खनन पर सख्ती के दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में रात-दिन मिट्टी का अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है। सोमवार रात करीब 11 बजे मलासा गांव के रास्ते से मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली निकलते रहे। स्वराज इंडिया की टीम ने खनन की तस्वीरें कैमरे में कैद कीं।ग्रामीणों का कहना है कि जंगल और खेतों से हो रहा खनन न केवल उपजाऊ मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म कर रहा है, बल्कि सरकार को लाखों का राजस्व नुकसान भी पहुंचा रहा है।

सबसे बड़ी बात यह है कि पुलिस और प्रशासन को पूरी जानकारी होने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय मिलीभगत और अधिकारियों की चुप्पी के कारण खनन माफियाओं के हौसले और बढ़ते जा रहे हैं। रात के अंधेरे में जेसीबी गरज रही है, ट्रैक्टर–ट्रॉली फर्राटा भर रही हैं और मिट्टी ओवरलोड बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है।भोगनीपुर तहसील के उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह से रात में फोन पर बात हुई।उन्होंने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन ग्रामीणों का कहना है

कि अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासन खनन माफियाओं पर कार्रवाई करेगा या फिर चुप्पी साधे रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

जीएसटी कटौती पर कानपुर देहात में भाजपा ने मनाया उत्सव,व्यापारियों में खुशी की लहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी कानपुर देहात इकाई की ओर से सोमवार को भाजपा उत्सव बचत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने जनकपुरी मैदान से पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा कर अकबरपुर बाजार में व्यापारियों से संवाद किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई जीएसटी कटौती पर चर्चा हुई।व्यापारियों ने इस निर्णय का गर्मजोशी से स्वागत किया और जगह-जगह पर जिला अध्यक्ष का अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को इस महा बचत कटौती के लिए धन्यवाद दिया।

जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने कहा कि सोमवार से लागू हुए जीएसटी की नई व्यवस्था से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

किराने व दैनिक आवश्यक वस्तुओं के बिलों में लगभग 13त्न की बचत होगी, वहीं छोटी कार खरीदने वाले उपभोक्ता तकरीबन 70 हजार रुपये बचा सकेंगे। स्टेशनरी, कपड़े, जूते और दवाओं की खरीद पर 7-12प्रतिशत तक की बचत होगी, जबकि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों में यह बचत 18त्न तक पहुंच जाएगी। उन्होंने इसे आर्थिक सुधारों की नई दिशा बताते हुए कहा कि इससे मेक इन इंडिया और स्वदेशी वस्तुओं की खपत को बढ़ावा मिलेगा।राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने इस मौके पर कहा कि नवरात्रि से पहले लागू हुई नयी जीएसटी व्यवस्था देशवासियों के लिए उपहार की तरह है। यह न केवल महंगाई पर नियंत्रण लाएगी बल्कि जनता में आत्मविश्वास और आर्थिक मजबूती का संचार भी करेगी।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रामजी मिश्रा, बृजेंद्र सिंह, सत्यम सिंह चौहान, सौरभ मिश्रा, मलखान सिंह चौहान, अमित राजपूत, श्यामू शुक्ला, शिव विलास मिश्रा, सत्यम चतुर्वेदी, सूर्यकांत त्रिपाठी, जगदीश गुप्ता, झब्बू अग्रवाल, विकास मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक

» अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जाए: जिलाधिकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कलेक्ट्रेट स्थित माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बैंकर्स एवं बीमा कंपनियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0, विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक, बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि फसल बीमा योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच है, इसलिए अभियान चलाकर अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी पात्र किसान को योजना का लाभ पाने से वंचित नहीं होना चाहिए।

बैठक में बैंकर्स को समयबद्ध रूप से किसानों का पंजीकरण और प्रीमियम प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं बीमा कंपनियों को किसानों के दावे का निस्तारण पारदर्शी, त्वरित एवं सरल तरीके से करने के लिए कहा गया। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला स्तर पर निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को इसके लाभ और उपयोगिता के बारे में जागरूक किया जाए। इसके साथ ही ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर किसानों को योजना से जोड़ने का अभियान चलाया जाए, ताकि अधिकतम संख्या में किसान लाभान्वित हो सकें।

बैठक में उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव, जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश गुप्ता, एलडीएम राकेश कुमार सहित बैंकर्स व बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रावतपुर घटना को लेकर सपा विधायकों का विरोध, पुलिस आयुक्त से मुलाकात

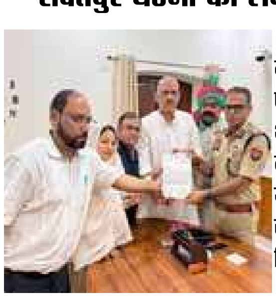

कानपुर। रावतपुर गांव (सैय्यद नगर) में आई लव मोहम्मद का बोर्ड को लेकर हुए विवाद में समाजवादी पार्टी विधायकों ने मंगलवार को पुलिस आयुक्त से मुलाकात की। मामला उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पुलिस ने खुद वादी बनकर गैर तथ्यात्मक और अमर्यादित भाषा शैली का प्रयोग किया था। सपा डेलीगेशन ने पुलिस आयुक्त से मांग की कि इस मुकदमे को तत्काल समाप्त किया जाए और पेशेवर तरीके से उन्माद फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।पुलिस आयुक्त ने विधायकों की आपत्तियों को स्वीकार करते हुए मुकदमा समाप्त करने की सहमति जताई।इस दौरान विधायक मोहम्मद हसन रूमी, विधायक नसीम सोलंकी, सम्राट विकास यादव (पूर्व प्रत्याशी, गोविंद नगर) सहित अन्य सपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमृता शर्मा बनीं एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी

» मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत छात्राओं को मिल रहा नया अवसर

» प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल आत्मविश्वास से भरी छात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करने के लिए विशेष पहल की गई। इसी क्रम में कंपोजिट विद्यालय मलासा की मेधावी छात्रा अमृता शर्मा को एक दिन का खंड शिक्षा अधिकारी बनाया गया।

अमृता ने कार्यालय की कार्यप्रणाली को समझा और विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभालते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद किया।

इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को प्रशासनिक प्रक्रियाओं का अनुभव देना और उनमें आत्मविश्वास का संचार करना है।कार्यक्रम के दौरान एआरपी कुलदीप सैनी, वीरेंद्र विक्रम, अश्वनी कटियार, कनिष्ठ सहायक जितेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, कंप्यूटर सहायक सोहन बाबू, अंकित बाबू, अर्पित और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रश्मि सिंह सहित कई अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

बीएड डिग्रीधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए अनिवार्य 6 माह का ब्रिज कोर्स

एनआईओएस कराएगा ब्रिज कोर्स, कोर्स न करने पर जा सकती है नौकरी

»वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने सुप्रीम कोर्ट के आठ अप्रैल 2024 के निर्णय के अनुपालन में बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए छह महीने के ब्रिज कोर्स की अधिसूचना जारी कर दी है। यह ब्रिज कोर्स उन बीएड डिग्री धारकों के लिए अनिवार्य होगा, जिन्हें 28 जून 2018 के बाद प्राथमिक स्तर पर नियुक्त हुए थे।

एनसीटीई ने सात अप्रैल की अपनी अधिसूचना में साफ किया है कि यह कोर्स केवल उन्हीं शिक्षकों के लिए होगा जो 28 जून 2018 के बाद और 11 अगस्त 2023 से पहले नियुक्त हुए हैं।

यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए किया जा रहा है ताकि इन शिक्षकों को प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ाने की निरंतरता मिल सके। यह कोर्स ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा और इसकी पंजीकरण प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी।

यह कोर्स किसके लिए है

उन शिक्षकों के लिए जो बीएड डिग्री के आधार पर प्राथमिक स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। जिनकी नियुक्ति 28 जून 2018 से 11 अगस्त 2023 के बीच हुई है।

कोर्स की आवश्यकता क्यों है-

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में 11 अगस्त 2023 के फैसले के बाद बीएड डिग्री धारकों को प्राथमिक शिक्षक के लिए योग्य नहीं माना गया था लेकिन जो पहले से नियुक्त थे उनकी नौकरी बचाने के लिए 6 महीने का ब्रिज कोर्स पूरा करना अनिवार्य किया गया था।

कोर्स कौन कराएगा

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) इस 6 महीने के ब्रिज कोर्स को संचालित करेगा।

कोर्स की मुख्य बातें-

यह एक ऑनलाइन मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली से संचालित होगा।

इसमें बाल मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा जो सामान्य बीएड पाठ्यक्रम में गहराई से शामिल नहीं होते हैं।

पंजीकरण प्रक्रिया

एनआईओएस का पंजीकरण पोर्टल जल्द ही शुरू होगा। पंजीकरण के लिए शिक्षकों को एनआईओएस की आधिकारिक वेबसाइट (www.nios.ac.in) पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।

एनआईओएस ने क्या दिया आदेश-

एनआईओएस द्वारा सभी राज्यों के क्षेत्रीय निदेशकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकारें अपने-अपने स्टेट नोडल ऑफिसर नियुक्त करें और अपने राज्य के पात्र बीएड डिग्री धारक प्राथमिक शिक्षकों की सूची एक निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर एनआईओएस को उपलब्ध कराएं।

इस सूची में शिक्षकों के स्कूल का यूडायस कोड, पूरा नाम, शिक्षक का मानव संपदा कोड, माता-पिता का नाम, लिंग, जन्म तिथि, आधार नंबर, वैध ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और नियुक्ति तिथि जैसी जानकारियाँ शामिल होंगी।

बीएचयू में पीएचडी सीट निर्धारण पर विवाद

» छात्रों ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में आ गई है। सीट निर्धारण में गड़बड़ियों के आरोप लगने के बाद छात्र संगठनों ने कुलपति कार्यालय पहुंचकर विरोध दर्ज कराया और ज्ञापन सौंपा।छात्र संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने कुलपति से विस्तृत चर्चा करते हुए सीट निर्धारण में पारदर्शिता की मांग की। उनका कहना था कि प्रवेश प्रक्रिया में मनमानी और अनियमितता से योग्य छात्रों का नुकसान हो रहा है।इस दौरान कुलपति ने आश्वासन दिया कि पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करेगा।बैठक में छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष परमदीप पटेल, उपाध्यक्ष अजय कुमार भारती सहित रविशंकर सिंह पटेल, सूर्य मणि गौतम, आदित्य यादव, अंकेश कुमार मौर्य, धीरेन्द्र यादव, गौरव यादव, अरविंद पाल, केतन पटेल, राघव साहनी, यशवीर, प्रियांशु अमन, रितेश कन्नौजिया, सर्वेश यादव, रविचंद्रन, पंकज गौतम, महेश कुमार और प्रशांत यादव समेत बड़ी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद पहला दिन... बड़ी दुकानों ने घटाए दाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद बाजारों में भीड़ नजर आई। बड़ी दुकानों ने वस्तुओं के दाम घटाए पर छोटे दुकानदार घाटा बचाने का इंतजाम करते रहे।मॉल व बड़ी दुकानों ने जीएसटी की घटी हुई दरों पर बिलिंग करते हुए ग्राहकों को छूट का लाभ दिया। मझोले व छोटी दुकानों पर जीएसटी में कमी का असर नहीं दिखा।

व्यापारियों ने दबी जुबान में बताया कि जिन ग्राहकों ने मांग की, सिर्फ उन्हें छूट दी गई, लेकिन इससे हम लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। सोमवार से देसी घी, मिल्क पाउडर, चॉकलेट, मिनरल वाटर, टॉफी कैंडी चीनी, नूडल्स, पास्ता आदि उत्पादों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। कुछ डेयरी कंपनियों ने जीएसटी में बदलाव के बाद अपने नए रेट जारी किए थे। उनके उत्पाद नए रेट पर ही बिकते मिले।

जिन उत्पादों के नए रेट जारी नहीं हुए, वह सोमवार को एमआरपी पर ही बिके। जिन ग्राहकों ने जीएसटी का हवाला दिया, दुकानदारों ने उन्हें बिना बहस किए छूट दे दी। दुकानदारों का कहना था कि उन्हें माल खरीदते वक्त कोई छूट नहीं मिली थी। वह अपने स्तर पर जीटीसी छोड़ेंगे तो घाटा उठाना पड़ सकता है।जीएसटी की नए दरें लागू होने के बाद पैक्ड खानपान की चीजों पर जीएसटी 15 से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। कारोबारियों के पास पुराना स्टॉक होने की वजह से नई दर पर सामान बेचने से सात फीसदी तक का नुकसान है। राशन व खाद्य तेल के व्यापार से जुड़े सिटी स्टेशन के सिद्धार्थ गुप्ता, नरही के संजय अग्रवाल व पांडेयगंज के राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि खाद्य तेल पर 5 प्रतिशत जीएसटी था, जिसमें कोई बदलाव नहीं है। राशन में सिर्फ 25 किलो की पैकिंग पर ही 5 प्रतिशत जीएसटी है।रेलनीर अब एक रुपये सस्ता कर दिया गया है, लेकिन चारबाग व लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को स्टॉल संचालक अब भी 15 रुपये में बोतल बेच रहे हैं। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर ओवरचार्जिंग की शिकायत उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम से की है। अनुज सक्सेना ने बताया कि वह अपने मित्र को स्टेशन छोड़ने चारबाग पहुंचे थे, जहां प्लेटफॉर्म पर उनसे रेलनीर के लिए 15 रुपये लिए गए। ऐसे ही जंक्शन पर शताब्दी एक्सप्रेस से प्लेटफॉर्म पर पहुंचे यात्री ने भी ओवरचार्जिंग की शिकायत की है। खास बात यह है कि स्टॉल संचालक पहले जहां पांच रुपये ओवरचार्ज कर रहे थे, वह अब यह धनराशि यात्रियों से नहीं ले रहे हैं। दूसरी ओर, चारबाग व लखनऊ जंक्शन पर आरपीएफ प्रशासन ने प्लेटफॉर्मों पर चेकिंग अभियान चलाकर पड़ताल भी की।

दरअसल, रेलवे ने रेलनीर की एक लीटर की बोतल 15 के बजाय 14 रुपये व आधा लीटर की बोतल 10 की जगह नौ रुपये में कर दी गई है। नए मूल्य को लेकर सीनियर डीसीएम ने आदेश भी जारी किया है। वेंडरों को चेतावनी भी दी है कि अधिक मूल्य लेने पर कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या में फिल्मी रामलीला या रंगमंच?

» मनोरंजन की आड़ में भक्ति का अपमान- साधु-संत गरजे

» फिल्मी सितारे बनाम रामभक्त - विवादों में घिरी रामलीला

» सरकार का संरक्षण या साजिश? -महंत अवधेश दास का आरोप

» रामलीला को तमाशा नहीं बनने देंगे -हिंदू महासभा का ऐलान

» मर्यादा पुरुषोत्तम की नगरी में मर्यादा टूटी- धर्म सेना की चेतावनी

» नाम बड़े दर्शन छोटे- कलाकारों पर जनता भी नाराज

» ग्लैमर की चकाचौंध में खोती आस्था-अयोध्या का सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या इस बार फिर रामभक्ति से अधिक विवादों का अखाड़ा बन गई है। दिल्ली की मेरी मां फाउंडेशन द्वारा आयोजित फिल्मी रामलीला का 22 अक्टूबर से शुभारंभ हो गया है। सातवें संस्करण की इस रामलीला में बॉलीवुड और टीवी कलाकार मंच पर है, लेकिन इसके साथ ही साधु-संत, धार्मिक संगठन और हिंदुत्ववादी नेता मोर्चा खोल चुके हैं।

अयोध्या की मर्यादा पर सवाल

संकटमोचन सेना के प्रमुख महंत संजय दास ने कहा, यह मनोरंजन की आड़ में मर्यादा का अपमान है। भगवान राम की छवि को विकृत किया जा रहा है।

बड़ा भक्तमाल मन्दिर के महंत अवधेश दास का आरोप है कि सरकार और संस्कृति विभाग आयोजकों को करोड़ों की मदद दे रहे हैं। जूते-चप्पल पहनकर कलाकार मंच पर आते हैं, यह सरासर अनादर है।

➪जगतगुरु महंत रामदिनेशाचार्य ने चेताया कि अयोध्या की पहचान श्रीराम की मर्यादा है और यहां फिल्मी प्रयोग किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

➪हिंदू महासभा के नेता मनीष पांडेय ने कहा, रामलीला को गंदा करने की साजिश हो रही है। सरकार वोट बैंक की खातिर आंखें मूंदे बैठी है।

➪धर्म सेना प्रमुख संतोष दुबे ने चेतावनी दी है कि यदि फिल्मी रामलीला बंद नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन होगा।

राम नगरी को रंगमंच का तमाशा नहीं बनने देंगे।

➪स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि आयोजक बड़े-बड़े कलाकारों के नाम से प्रचार करते हैं लेकिन वे मंचन में आते नहीं। पिछले साल भी रवि किशन और मनोज तिवारी जैसे नाम प्रचारित किए गए थे, पर मंच पर दिखाई नहीं दिए। इसके अलावा टिकटिंग, पेमेंट और अनुशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मनीष पांडेय नेता हिन्दू महासभा

संतोष दुबे अध्यक्ष धर्म सेना

महंत अवधेश दास

महंत संजय दास जी अध्यक्ष संकट मोचन सेना

आयोजक फिल्मी रामलीला सुभाष मलिक

फिल्मी रामलीला के आयोजक की सफाई

फिल्मी रामलीला में पूरी मर्यादा का ध्यान रखा जाता है। यदि किसी संवाद या दृश्य से आपत्ति है तो उसे सुधारा जाएगा। साधु-संतों और जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया जाएगा।

सुभाष मलिक, अध्यक्ष आयोजन समिति

स्वराज इंडिया का सवाल

-क्या भगवान राम की लीला का मंचन ग्लैमर और पैसों का खेल बन चुका है?

-सरकार और संस्कृति विभाग के संरक्षण में हो रहे इस आयोजन पर सवाल क्यों खड़े हो रहे हैं?

-अयोध्या की आस्था और पहचान के साथ किए जा रहे प्रयोग क्या वाकई सांस्कृतिक मर्यादा तोड़ रहे हैं? अयोध्या की रामलीला सदियों से आस्था, मर्यादा और परंपरा का प्रतीक रही है। लेकिन इस बार फिल्मी सितारों और भव्य मंचन ने इसे विवादों के घेरे में ला दिया है।

साधु-संतों से लेकर हिंदू संगठनों तक, सब एक सुर में इसे आस्था पर चोट बता रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या रामलीला अपने असली स्वरूप में लौटेगी या फिर ग्लैमर और राजनीति के बीच उसकी मर्यादा दम तोड़ देगी?

देवी दुर्गा पर अश्लील गाना,यूट्यूब संचालक पर पर केस दर्ज

» जिला प्रशासन की ढिलाई से भड़का आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शारदीय नवरात्र जैसे पावन पर्व पर आस्था को आहत करने वाली एक बड़ी घटना ने अयोध्या समेत पूरे प्रदेश में हलचल मचा दी है। यूट्यूब चैनल 'सरोज सरगम' पर देवी दुर्गा के संबंध में अमर्यादित भाषा से भरा एक गाना अपलोड किया गया। लगभग डेढ़ घंटे लंबे इस गाने को हजारों लोगों ने देख भी लिया। गाने के थंबनेल तक में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिसने आस्था रखने वाले करोड़ों हिंदुओं को झकझोर दिया है।

नगर पंचायत कुमारगंज के सभासद सूरज कौशल और अपना दल (एस) के जिला उपाध्यक्ष शत्रुघ्न कौशल ने थाना कुमारगंज में लिखित शिकायत दी। उनका आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बावजूद पुलिस अब तक ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है। आस्था पर हमला करने वाले को तुरंत गिरफ्तार होना चाहिए, लेकिन प्रशासन की उदासीनता सवाल खड़े कर रही है, शत्रुघ्न कौशल ने कहा। कुमारगंज पुलिस ने बताया कि आरोपी गायिका के खिलाफ केस दर्ज हो चुका है और मिर्जापुर एसपी से वार्ता के बाद थाना मड़ियांन में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित कर दी गई है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी न होने से लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शत्रुघ्न कौशल ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी और विवादित वीडियो का हटाया जाना सुनिश्चित नहीं किया गया, तो हिंदू समाज आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

नवरात्र जैसे अवसर पर देवी दुर्गा के खिलाफ अमर्यादित गाने ने न सिर्फ धार्मिक

भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, बल्कि प्रशासनिक ढिलाई ने भी जनता के गुस्से को और भड़का दिया है। अब यह देखना होगा कि पुलिस महज़ कागजी कार्यवाही तक सिमटती है या वास्तव में आरोपी को सजा दिलाने तक मामला पहुंचता है।

सफाई व्यवस्था पर सवाल पूछने पर पार्षद व पत्रकार में नोकझोंक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मंगलवार को नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार द्वारा अश्विनी पुरम वार्ड का निरीक्षण किए जाने के दौरान सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद और पत्रकार के बीच नोकझोंक हो गई। निरीक्षण के समय पत्रकार अखंड प्रताप सिंह ने मोहल्ले में प्रतिदिन झाड़ू न लगने और अव्यवस्थाओं के ढेर पर नगर आयुक्त से सवाल किया। इस दौरान वार्ड पार्षद जगत नारायण यादव और उनके भाई विजय नारायण यादव ने आपत्ति जताई और मौके पर तीखी बहस शुरू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्रकार द्वारा सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाने के बाद पार्षद पक्ष नाराज़ हो गया। हालांकि मौजूद अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया।

इस घटना को लेकर पत्रकारों ने नाराजगी व्यक्त की है और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया है, वहीं पार्षद पक्ष का कहना है कि सवाल पूछने का तरीका उचित नहीं था जिससे विवाद की स्थिति बनी। निरीक्षण के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं पर नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया।

1996 की कहानी दोहराई, तब लंदन गए थे दो भाई

विमान के पहियों में छुपकर काबुल से दिल्ली पहुंचा 13 वर्षीय किशोर

ईरान जाना चाहता था, गलती से आ पहुंचा भारत

» नई दिल्ली, एजेंसी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर रविवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। अफगानिस्तान का एक 13 वर्षीय किशोर विमान के व्हील वेल (पहियों के हिस्से) में छिपकर काबुल से दिल्ली पहुंच गया।

एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, सुबह 10ः20 बजे अफगानिस्तानी विमानन कंपनी केएएम एयर की फ्लाइट आरक्यू 4401 दिल्ली पहुंची। यात्रियों के उतरने के बाद विमान टैक्सीवे पर खड़ा था, तभी कर्मचारियों ने पास में एक किशोर को संदिग्ध अवस्था में देखा। पूछताछ पर उसने खुद को अफगान नागरिक बताया। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और उसे हिरासत में ले लिया। बाद में किशोर को इमिग्रेशन विभाग को सौंप दिया गया।

पूछताछ में किशोर ने बताया कि वह ईरान जाना चाहता था, लेकिन गलती से भारत आने वाली फ्लाइट में चढ़ गया। काबुल एयरपोर्ट पर वह यात्रियों की गाड़ी के पीछे-पीछे अंदर पहुंचा और विमान के पहियों के हिस्से में छिप गया। उड़ान भरते ही पहियों का दरवाजा बंद हो गया और वह 94 मिनट तक उसी में फंसा रहा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, 10 हजार फीट से ऊपर ऑक्सीजन की कमी और ठंड से इंसान की जान भी जा सकती है। ऐसे में किशोर का जिंदा बचना चौंकाने वाला है।

फिलहाल इमिग्रेशन विभाग ने किशोर को अपनी हिरासत में रखा है और पूछताछ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि उसे वापस काबुल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इससे पहले वर्ष 1996 में पंजाब के रहने वाले दो भाइयों प्रदीप सैनी (23) और विजय सैनी (19) ने बिना वीजा और पासपोर्ट के गैर-कानूनी तरीके से विदेश जाने का फैसला लिया था। इस जानलेवा सफर में एक भाई की मौत हो गई थी।

प्रदीप सैनी और विजय सैनी पंजाब से दिल्ली पहुंचे और आईजीआई एयरपोर्ट पर कई दिन रेकी की। एयरपोर्ट में घुसने का रास्ता खोजकर दोनों भाई लंदन के हीथ्रो जाने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट के लैंडिंग गियर में छिप गए। विमान के टेकऑफ करते ही लैंडिंग गियर अंदर की ओर चले जाते हैं और दरवाजा बंद हो जाता है।

एक दिन की प्रशासनिक अधिकारी बनेंगी बेटियां

मिशन शक्ति: 23 से 30 सितंबर तक होंगे विभिन्न आयोजन

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए मिशन शक्ति 5.0 की व्यापक स्तर पर शुरुआत हुई है। सोमवार को भी प्रदेश भर के परिषदीय विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। वहीं कल 23 सितंबर को बेटियां विभिन्न विभागों में एक दिन के लिए प्रशासनिक अधिकारी बनकर भी कामकाज संभालेंगी।

सोमवार को विद्यालयों में बेटियों ने रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक से महिला सुरक्षा, शिक्षा और समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया। प्रदेश भर के परिषदीय व कस्तूरबा विद्यालयों में बालिकाओं ने बाल अधिकारों की जागरूकता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मां दुर्गा के नवरूपों पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। दूसरी तरफ बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित पोस्टर बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 अभियान, बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करने का संकल्प है। हर बालिका की प्रतिभा और आत्मविश्वास को निखारना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। इसके तहत प्रदेश भर में विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षा देने के साथ हर बालिका को सशक्त, जागरूक और समाज का नेतृत्व करने योग्य बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। हम इस दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्ति 5.0 इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

होंगी यह गतिविधियां

- 23 सितंबर को छात्राओं बनेंगी एक दिन की अधिकारी।
- 24 सितंबर को मीना दिवस का आयोजन, निडर फिल्म दिखाएंगे।
- 25 सितंबर को केजीबीवी की बालिकाओं का बैंक भ्रमण व जागरूकता।
- 26 सितंबर को विद्यालयों में ख्याति प्राप्त महिलाओं से संवाद, आत्मरक्षा प्रशिक्षण।
- 27 सितंबर को थाना भ्रमण, साइबर क्राइम तथा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी।
- 28 सितंबर को बाल विवाह, महिला योजनाएं, सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक।
- 29 सितंबर को बालिका अधिकार, इसके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी।
- 30 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में भ्रमण, स्वास्थ्य जांच और जनजागरूकता।

गाजियाबाद का पहला महिला पुलिस एनकाउंटर, किया लंगड़ा

अब पुलिस पर चलाएगा गोली? हिस्ट्रीशीटर बोला- सॉरी मैडम

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में महिला पुलिस अफसरों ने एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। गाजियाबाद कमिश्नरी की महिला थाना पुलिस ने बीती रात वो कर दिखाया, जो गाजियाबाद के इतिहास में अब से पहले कभी नहीं हुआ। सोमवार देर रात जनपद में एक ऐसा एनकाउंटर हुआ, जिसमें एक भी पुरुष पुलिसकर्मी शामिल नहीं था। इस एनकाउंटर को जिले की महिला पुलिसकर्मियों ने अपने नाम रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। इस एनकाउंटर को एसीपी उपासना पांडे और महिला थानाध्यक्ष रितु त्यागी की टीम ने अंजाम दिया।

महिला पुलिसकर्मियों ने मुठभेड़ कर विजयनगर थाने के हिस्ट्रीशीटर बदमाश जितेंद्र को लंगड़ा कर दबोच लिया। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नंदग्राम उपासना पांडे ने बताया कि सोमवार देर रात महिला पुलिस की एक टीम रात्रि गश्त पर लोहिया नगर में चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान टीम को एक संदिग्ध स्कूटी आते दिखाई दी। नजदीक आने पर पर जब महिला पुलिसकर्मियों ने उसे रुकने के लिए इशारा किया, तो वह स्कूटी को वापस मोड़कर भागने लगा।

मोड़ने के दौरान युवक की स्कूटी फिसल गई, जिससे वह सड़क पर ही गिर गया। महिला पुलिस अफसरों को अपनी ओर आते देख उसने टीम पर गोली चला दी। अपने ऊपर फायरिंग होते देख महिला पुलिस टीम ने भी क्रॉस फायरिंग की और गोली चला रहे बदमाश के पैर में गोली लगी। इसके बाद बदमाश वहीं गिर पड़ा और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है, जो फिलहाल विजयनगर में रहता है। जितेंद्र मूल रूप से अलीगढ़ का रहने वाला है। वह विजयनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है।

नवरात्र में विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ, गोरक्षपीठ में हुई कलश की स्थापना

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। शारदीय नवरात्र के पहले दिन (प्रतिपदा), सोमवार को शिवावतार गुरु गोरखनाथ की साधनास्थली गोरक्षपीठ में लोक कल्याण की मंगलकामना के साथ मां जगतजननी की उपासना के विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पीठ की परंपरा के अनुसार हुआ। सोमवार सायंकाल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्तिपीठ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर प्रथम दिन मां शैलपुत्री की विधि विधान से पूजा अर्चना की। शारदीय नवरात्र प्रतिपदा का अनुष्ठान मां जगतजननी की आराधना, देवी पाठ, आरती और क्षमा प्रार्थना के साथ पूर्ण हुआ।

कलश स्थापना के पूर्व गोरखनाथ मंदिर परिसर में भव्य कलश शोभायात्रा पारंपरिक तरीके और श्रद्धाभाव से निकाली गई। सायंकाल गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ की अगुवाई में साधु-संतों की शोभायात्रा, परंपरागत वाद्ययंत्रों घंट-घड़ियाल, तुरही, शंख की ध्वनियों और मां दुर्गा के जयघोष के बीच पौराणिक मान्यता वाले भीम सरोवर पर पहुंची। जहां कलश भरने और सरोवर की परिक्रमा के बाद शोभायात्रा वापस शक्तिपीठ आई।

सीएम योगी ने किया वैदिक मंत्रोच्चार, उठाया कलश

इसके बाद जल से भरा कलश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उठाया और शक्तिपीठ के गर्भगृह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वरुण देवता का आवाहन कर इसे स्थापित किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले मां दुर्गा, भगवान शिव और गुरु गोरखनाथ के शस्त्र त्रिशूल को प्रतिष्ठित करके गौरी-गणेश की आराधना की।इसके साथ ही दुर्गा मंदिर (शक्तिपीठ) के गर्भगृह में श्रीमद्देवीभागवत का पारायण पाठ एवं श्रीदुर्गासप्तशती के पाठ का भी शुभारंभ हो गया। पाठ के उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।